E-Learning Study Material

By- Prof (Dr.) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR

B.A. Economics Hons First Year

Q:- Describe Modern Theory of Distribution (Supply of the Factor) and (Price Determination) OF the Factor

Scanned with CamScanner

साधन की पूर्ति (Supply of the Factor):-

साधन की पूर्ति साधन की अवसर लागत (opportunity cost) पर निर्भर है। अवसर लागत (opportunity cost) द्रव्य की वह मात्रा है जो किसी साधन को दूसरे सर्वश्रेष्ठ वैकल्पिक प्रयोग में मिल सकता है। एक साधन को वर्तमान व्यवसाय में इतना अवश्य मिलना चाहिए जितना कि उसे दूसरे सर्वश्रेष्ठ वैकल्पिक प्रयोग में मिल सकता है अन्यथा यह वर्तमान व्यवसाय में कार्य करके दूसरे व्यवसाय में कार्य करने के लिए चला जाएगा। अतः वर्तमान प्रयोग में एक साधन की लागत या पूर्ति कीमत (Supply Price) उस साधन की अवसर लागत पर निर्भर करता है।

जिस प्रकार से साधन की माँग को प्रभावित करने वाली अनेक बातें हैं। ठीक उसी प्रकार साधन की पूर्ति को प्रभावित करने वाली बातें भी हैं। संक्षेप में साधन की पूर्ति को प्रभावित करने वाली प्रमुख बातें निम्नलिखित हैं-

(a) साधन का पुरस्कार
(b) साधन की गतिशीलता
(c) साधन की एक स्थान से दूसरे स्थान में आने तथा जाने की लागत
(d) साधन की शिक्षा एवं प्रशिक्षण की लागत
(e) साधन के कार्य करने तथा आराम करने के बीच का अधिमान (Preference)

Scanned with CamScanner

साधन का मूल्य निर्धारण
(Price determination of the Factor)

उपर्युक्त विवेचना से स्पष्ट है कि साधन का पुरस्कार न तो सीमान्त उत्पादकता से अधिक होता है और न ही सीमान्त त्याग से कम। अतः साधन का पुरस्कार उस बिन्दु पर निश्चित होता है जहाँ साधन की सीमान्त उत्पादकता उसके सीमान्त त्याग के बराबर होती है। संतुलन की स्थिति में साधन की सेवा का मूल्य उसकी सीमान्त उत्पत्ति एवं सीमान्त त्याग के बराबर होती है। इसे निम्न रेखा चित्र के द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है:—

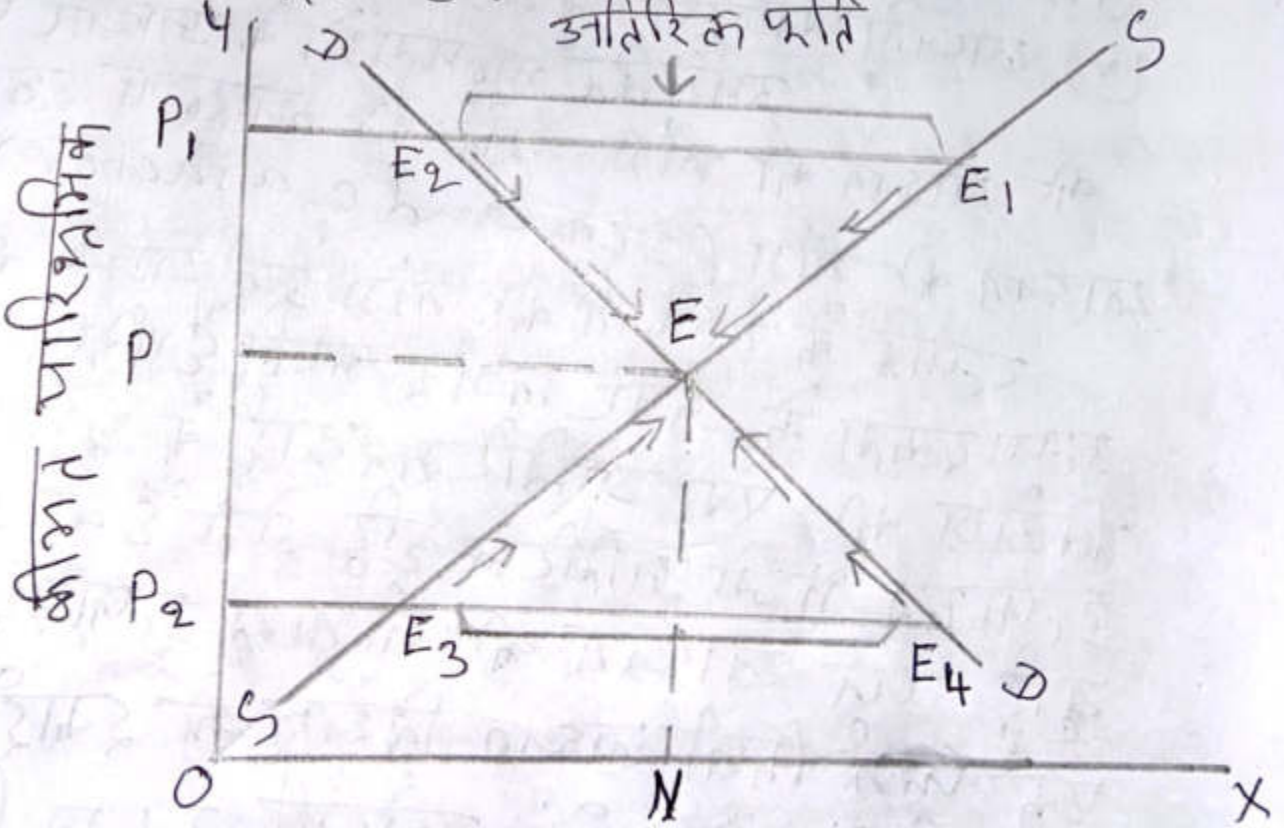

Scanned with CamScanner

उपरांकित रेखा-चित्र में DD वक्र साधन की सीमान्त उत्पादकता और SS वक्र साधन के सीमान्त त्याग को दर्शाते हैं। ये दोनों वक्र एक दूसरे को E बिन्दु पर काटते हैं। इस बिन्दु पर साधन की कीमत OP या NE निर्धारित होती है। यदि साधन का मूल्य (Price) OP_1 है तो साधन की माँग P_1E_2 तथा साधन की पूर्ति P_1E_1 होगी। अर्थात् साधन की अतिरिक्त पूर्ति (Excess Supply) E_2E_1 के बराबर होती है। साधन की यह अतिरिक्त पूर्ति साधन के मूल्य को नीचे की ओर गिराती है। चित्र में इसे नीचे जाते हुए तीरों से दिखाया गया है। यदि साधन का मूल्य OP_2 है तो साधन की माँग (Demand) बढ़ कर P_2E_4 हो जाती है, जबकि साधन की पूर्ति (Supply) P_2E_3 के बराबर होती है। परिणामस्वरूप साधन की अतिरिक्त माँग (excess demand) E_3E_4 के बराबर है। साधन की अतिरिक्त माँग साधन के मूल्य में वृद्धि करेगी। चित्र में इस स्थिति को ऊपर को जाते हुए तीरों से दिखाया गया है। अतः स्पष्ट है कि साम्य का मूल्य OP या NE ही होगा। यहाँ पर साधन की माँग साधन की पूर्ति के बराबर होती है।

Scanned with CamScanner